



Re-Accredited by NAAC with 'A' Grade
VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY
University Campus, Udhna-Magdala Road, SURAT - 395 007, Gujarat, India.
વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી
યુનિવર્સિટી કેમ્પસ, ઉધના મગદલા રોડ, સુરત - ૩૯૫ ૦૦૭, ગુજરાત, ભારત.
Tel : +91 - 261 - 2227141 to 2227146, Toll Free : 1800 2333 011, Fax : +91 - 261 - 2227312
E-mail : info@vnsgu.ac.in, Website : www.vnsgu.ac.in

-: પરિપત્ર :-

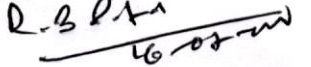
વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન સંસ્કૃત વિષય ચલાવતી સ્નાતક કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓને જણાવવાનું કે, શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૦-૨૧ થી અમલમાં આવનાર "જ્ઞાન સંગમ" ન્યુ સીલેબસ ફોર ન્યુ ઈન્ડિયા અંતર્ગત સંસ્કૃત વિષયનાં અભ્યાસક્રમની તા.૨૭/૦૧/૨૦૨૦ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંક: ૧ અન્વયે નિમેલ પેટાસમિતિએ તૈયાર કરેલ એફ.વાય.બી.એ. સેમે.-૧ અને ૨ નો સંસ્કૃત વિષયનો અભ્યાસક્રમ સર્વાનુમતે મંજૂર કરી વિનયન વિદ્યાશાખાને ભલામણ કરેલ છે જે ભલામણ વિનયન વિદ્યાશાખાનાં અધ્યક્ષશ્રીએ વિનયન વિદ્યાશાખાની મંજૂરીની અપેક્ષાએ વિનયન વિદ્યાશાખાવતી મંજૂર કરી એકેડેમિક કાઉન્સિલને કરેલ ભલામણ એકેડેમિક કાઉન્સિલએ તેની તા.૩૦/૬/૨૦૨૦ની સભાના ઠરાવ ક્રમાંક: ૧૨૦ અન્વયે સ્વીકારી મંજૂર કરેલ છે. તેની જાણ સંબંધકર્તા શિક્ષકો અને વિદ્યાર્થીઓને કરવી, તદ્દઉપરાંત તેનો અમલ કરવો.

એકેડેમિક કાઉન્સિલની તા.૩૦/૦૬/૨૦૨૦ની સભાના ઠરાવ ક્રમાંક: ૧૨૦

:: આથી ઠરાવવામાં આવે છે કે, "જ્ઞાન સંગમ" ન્યુ સીલેબસ ફોર ન્યુ ઈન્ડિયા અંતર્ગત સંસ્કૃત વિષયનાં અભ્યાસક્રમની તા.૨૭/૦૧/૨૦૨૦ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંક: ૧ અન્વયે નિમેલ પેટાસમિતિએ તૈયાર કરેલ એફ.વાય.બી.એ. સેમે.-૧ અને ૨ નો સંસ્કૃત વિષયનો અભ્યાસક્રમ શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૦-૨૧ થી અમલમાં આવે તે રીતે સર્વાનુમતે મંજૂર કરી વિનયન વિદ્યાશાખાને કરેલ ભલામણ વિનયન વિદ્યાશાખાનાં અધ્યક્ષશ્રીએ વિનયન વિદ્યાશાખાની મંજૂરીની અપેક્ષાએ સ્વીકારેલ તે મંજૂર કરવામાં આવે છે.

(બિડાણ: ઉપર મુજબ)

ક્રમાંક : એકે./પરિપત્ર/૫૭૮૪/૨૦૨૦
તા. ૧૫-૦૭-૨૦૨૦


ઈ.યા. કુલસચિવ

પ્રતિ,

- ૧) વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન સંસ્કૃત વિષય ચલાવતી સ્નાતક કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓ.
- ૨) અધ્યક્ષશ્રી, વિનયન વિદ્યાશાખા.
- ૩) પરીક્ષા નિયામકશ્રી, પરીક્ષા વિભાગ, વીર નર્મદ દ. ગુ. યુનિવર્સિટી, સુરત.

.....તરફ જાણ તેમજ અમલ સારું.

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT
शैक्षणिक वर्ष २०२० थी अमलमां आवनार अेइ.वाय.बी.अे.

संस्कृत सेमेस्टर-१ नो अल्यासकम

Core Allied:

Credit-03

Paper- 1 A Sanskrit Classical Language

कुल गुण-५०

कृति: श्री विष्णुशर्मा विरचित पञ्चतन्त्रम् (डॉ विश्वास निरूपित पञ्चतन्त्रम्)

उद्देश: संस्कृत भाषा द्वारा नीतिकथानुं प्रेडाए आभ्यानात्मक शैलीमां वैदिक साहित्यनी जेम संस्कृत साहित्यमां प्रसिद्ध छे. प्राणीजगतना पात्रो द्वारा मनुष्य जिवनमां नीतिमत्तानो परियय कराववो.

अल्यासकमना मुद्दाओ: भारतीय कथा साहित्यनो परियय, पंचतंत्रनो परियय, श्री विष्णु शर्मा विरचित तथा डॉ. विश्वास निरूपित पंचतंत्रनी नियत कथाओ

Unit-I: भारतीय कथा साहित्य अने प्राणीकथा, पंचतंत्र परियय, पंचतंत्रनुं कर्तृत्व अने आवृत्तियो, पंचतंत्रनुं महत्व, पंचतंत्र रचनाकाण, पंचतंत्रनी शैली, पंचतंत्रनो उपदेश. मित्रभेदनी वार्ताओ अने उपदेश.

Unit-II: वञ्चक: बकः, त्रयःधूर्ताः, उपायेन शक्यं सर्वम्, नष्टःपिष्ट घटः। - (डॉ विश्वास निरूपित पञ्चतन्त्रम्)

Unit-III: चटका कुञ्जरः कथा, सिंह शृगालः कथा, सूचिमुखः वानरयूथयोः कथा, वानरः चटकयोः कथा

Unit-IV: टीट्टीभ - समुद्र-कथा, मुखकच्छप-कथा, मत्स्यत्रय-कथा, धर्मबुद्धि पापबुद्धयोः कथा। (श्री विष्णुशर्मा विरचित पञ्च तन्त्रम् unit-III & IV)

संदर्भ ग्रंथो:

- 1) पञ्चतन्त्र विष्णुशर्मा प्रणीत - श्यामचरण पांडेय, MLBD
- 2) पञ्चतन्त्रकथा- डॉ. विश्वासः, संस्कृतभारती-बेङ्गलूर

Page-I

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

शैक्षणिक वर्ष २०२० थी अमलमां आवनार अेइ.वाय.बी.अे.

संस्कृत सेमेस्टर- १ नो अल्यासक्रम

Core Allied

Credit-03

Paper- 1 (B) Sanskrit Classical Language

कुल गुण-५०

कृति: नारायण पण्डित कृत हितोपदेश: -मित्रलाभ

उद्देश: संस्कृत भाषा द्वारा नीतिकथानुं ढेडाए आभ्यानात्मक शैलीमां वैदिक साहित्यनी जेम संस्कृत साहित्यमां प्रसिद्ध छे. प्राणीजगतना पात्रो द्वारा मनुष्य जिवनमां नीतिमत्तानो परियय कराववो.

अल्यासक्रमना मुद्दाओ: भारतीय कथा साहित्यनो परियय, हितोपदेशनो परियय, श्री नारायण पंडित विरचित हितोपदेशनी नियत कथाओ.

Unit-I: भारतीय कथा साहित्य अने प्राणीकथा, हितोपदेशनो परियय, हितोपदेशनुं कर्तृत्व, हितोपदेशनुं महत्व, हितोपदेश रचनाकाण, हितोपदेशनी शैली, हितोपदेशनो उपदेश. मित्रलाभनी वार्ताओ अने उपदेश.

Unit-II: काक, कपोत, मूषक एवम् कूर्मादिनां कथा, वृद्ध व्याघ्र एवं पान्थस्य कथा,

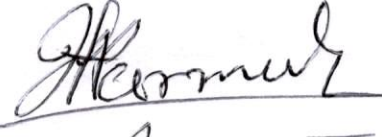
Unit III: काक, गृध्र, मार्जार, शृगाल कथा, परिव्राजक एवं वणिकपुत्रि कथा

Unit IV: व्याघ्र, मृग, शूकर, गृध्र कथा, राजपुत्र एवं लावण्यवती कथा, घूर्तगृध्र एवं कर्पूरतिलक की कथा,

संदर्भ ग्रंथ

१) नारायण पण्डित कृत हितोपदेश: - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी

२) संस्कृत साहित्य का इतिहास- बलदेव उपाध्याय


Page - II

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

शैक्षणिक वर्ष २०२० थी अमलमां आवनार ऐङ्.वाय.बी.ऐ.

संस्कृत सेमेस्टर- १ नो अल्यासकम

Core Course & Elective Course

Credit-03

Paper- 1 (A) आर्षकाव्यम्

कुल गुण-५०

कृति : वाल्मीकिरामायण – अयोध्याकाण्ड सर्ग ७-१२ पर्यन्तम्

उद्देशः संस्कृतना आटिकवि ऋषि वाल्मीकी रचित रामायण परियय साथे संस्कृत साहित्यमां निरूपित समाज व्यवस्था तथा नैतिक मूल्यो द्वारा भारतीय संस्कृतिनो परियय कराववो तथा प्राचीन भारतीय ज्वन दर्शननो परियय कराववो जेथी आधुनिक समयमां आदर्श समाज घडी शकीऐ.

अल्यासकमना मुद्दाओः आटि कवि अने आटि काव्य, रामायण अयोध्याकांड सर्ग ७ थी १२ सुधीना विषयो.

Unit-I: संस्कृत आटिकवि परियय, पद्य साहित्यनी उत्पत्ति, रामायण वीरयरितकाव्य, महाकाव्य तरीके, रामायणनी विशेषता, समाजदर्शन, रामायणनी साहित्य तथा समाज पर असर, रामायण 'आटिकाव्य' तथा वाल्मीकि 'आटिकवि तरीके वर्तमान समयमां रामायणनी उपटियता

Unit-II: अयोध्याकाण्ड सर्ग ७,८

Unit-III: अयोध्याकाण्ड सर्ग ९,१०

Unit-IV: अयोध्याकाण्ड सर्ग ११,१२

संदर्भ ग्रंथो

१) रामायण – अयोध्याकाण्ड – पूर्वार्ध- श्रीपाद दामोदर सातवलेकर

२) रामायण उत्पत्ति और विकास –कादर कामिल बुल्के

३) रामायण- भारतीय विचारमंच

४) The Ramayan Tradition in Asia-साहित्य अकादमी, दिल्ली.४

५) Valmiki Ramayan (Vol.I to III) A.L.Gadgil, Shri Ram Kosa Mandal, Pune'82

६) लेख्यर्स ओन ध रामायण, वी.ऐस.श्रीनिवास शास्त्री

७)संस्कृतसाहित्यनो परिययात्मक इतिहास- अमृत उपध्याय, संस्कृत सेवासमिति

Handwritten Signature
Page - III

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

शैक्षणिक वर्ष २०२० थी अमलमां आवनार ऐङ्.वाय.बी.ऐ.

संस्कृत सेमेस्टर-१ नो अल्यासक्रम

Core Course & Elective Course

Credit-03

Paper- 1 (B) अर्वाचीनसंस्कृत-महाकाव्यम्

कुल गुण-५०

कृति: - भार्गवीयम् (सर्ग: १-३) - प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी ।

उद्देश: संस्कृत ना अर्वाचीन महाकाव्यनो परिचय कराववो, काव्यनी वर्तमान भाषा शैलीथी अवगत कराववा.

अल्यासक्रमना मुद्दाओ: अर्वाचीन महाकाव्यनो परिचय, भार्गवीयम कृति अने कर्ता नो परिचय, सर्ग-१ ना विषयो.

Unit-I: कर्ता-कृति नो परिचय,

Unit-II: सर्ग-१

Unit-III: सर्ग-१

Unit-IV: सर्ग-१

संदर्भ ग्रंथो:

१) भार्गवीयम्- लेखक- प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी ।

२) अर्वाचीन संस्कृत साहित्य नो इतिहास

JP
Narmad
Page-IV

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

शैक्षणिक वर्ष २०२० थी अमलमां आवनार अेइ.वाय.बी.अे.
संस्कृत सेमेस्टर-१ नो अल्यासकम

Core Course & Elective Course

Credit-03

Paper- 2 (B) संस्कृत-रूपक-साहित्यम्
कृति: भास-कृत - मध्यमव्यायोगः

कुल गुण-५०

उद्देशः संस्कृत रूपकसाहित्य नो परिचय , रूपक ना प्रकार, स्वरूपनो परिचय करावी भास नी नाट्यशैली साथे कृतिलक्षी अल्यास करावो.
अल्यासकमना मुद्दाओः नाट्यकृतिना कर्तानो परिचय, ज्वन, समय, भास नाट्ययक, भास समस्या, कृतिओनो रूपक प्रकार, संस्कृतिना उद्गाता भासनुं नाट्यकार तरीके मूल्यांकन, कृतिनुं सर्वांगी विवेचन, भासनी विशेषता, भास नुं प्रदान वगेरे.

Unit-I: भासनुं ज्वन, समय, भासनी कृतिओ, रूपक साहित्यनो परिचय, रूपक ना प्रकारो, भास ना रूपको.

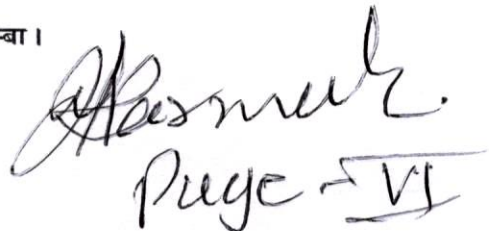
Unit-II: भास समस्या, भासनी नाट्यकणा, 'भासो हासः' , मध्यम व्यायोग नी कथावस्तु नो मूणसोत.

Unit-III: मध्यमव्यायोग.

Unit-IV: मध्यमव्यायोग.

संदर्भ ग्रंथो

- १) Bhas- A Study Dr. A. D. Pushalkar.
- २) भासनाटकचक्र- चौखम्बा, वाराणसी – आ० बलदेव उपाध्याय ।
- ३) संस्कृत नाटको नो परिचय – नांटी, युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड, अमदावाड.
- ४) संस्कृत साहित्य नो परिचय –अे. बी. डीथ –अनुवाद –पुरोहित .
- ५) संस्कृत साहित्य का इतिहास – ए बी कीथ, चौखम्बा ।
- ६) संस्कृत साहित्य का इतिहास – ए बी कीथ, चौखम्बा ।
- ७) संस्कृत साहित्य का इतिहास – ए बी कीथ, चौखम्बा ।
- ८) मध्यम व्यायोग- श्रीरामचन्द्र मिश्र विरचित 'प्रकाश' टीका, चौखम्बा ।


Page - VI

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

शैक्षणिक वर्ष २०२० थी अमलमां आवनार ऐङ्.वाय.बी.ऐ.

संस्कृत सेमेस्टर- २ नो अल्यासकम

Core Allied

Credit-03

Paper- 2 (A) Sanskrit Classical Language

कुल गुण-५०

कृति- संस्कृत-वैभवम् . ध्येयः वाक्यानि

उद्देशः संस्कृत साहित्यनो परिचय करावी भारतीय कणाओ तथा विविध विद्याओ ने सोदाहरण समजावी.

अल्यासकमना मुद्दाओः संस्कृत साहित्य कणा अने विद्याओनो परिचय, विविध संस्थाना संस्कृत ध्येय वाक्योनो विस्तार पूर्वक परिचय.

Unit-I: संस्कृत भाषा- उत्पत्ति- विकास (ऐतिहासिक द्रष्टिऐ)

Unit-II: साहित्य, कणाओ, विद्याओ

Unit-III: ध्येयः वाक्यानि (विविध संस्थाना ध्येय वाक्यो)

Unit-IV: ध्येयः वाक्यानि (विविध संस्थाना ध्येय वाक्यो)

संदर्भ ग्रंथो

१) संस्कृतवैभवम्, संस्कृतभारती, देहली

२) hindu Polity, by- k.p. jayswal, chaukhamba prakashan-Varanasi

३) भारतीय पुरालिपि विद्या- दिनेशचंद्र सरकार, अनु.पुष्पदत्त वाजपेयी

Handwritten signature
Page - I

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

शैक्षणिक वर्ष २०२० थी अमलमां आवनार अेइ.वाय.डी.अे.

संस्कृत सेमेस्टर-२ नो अल्यासक्रम

Core Allied

Paper- 2 (B) Sanskrit Classical Language

कृति : संस्कृत साहित्यमां संस्कृति र्थितन

Credit-03

कुल गुण-५०

उद्देश: संस्कृत साहित्य तथा संस्कृति नो परस्पर संबंध समजाववो.संस्कृत साहित्य तथा ज्वन ना मूल्यतत्व नो संबंध.

अल्यासक्रम ना मुद्दा : भारतीय संस्कृति नुं स्वरूप, अेकात्मकता, शिष्टाचार, धर्म क्तिर्दान गढवी, नारी, धार्मिक सहिष्णुता, पुरुषार्थ यतुष्टय तथा विविध राष्ट्रीय ध्येय वाक्यो नो अल्यास.

Unit-I: संस्कृति अर्थ अने स्वरूप , विश्वनी आदि संस्कृति, भारतीय संस्कृतिना मूलतत्वो,भारतीय संस्कृति अने शिष्टाचार ,भारतीय संस्कृतिमां अेकात्मकता ,भारतीय संस्कृति अने धर्म

Unit-II: भारतीय संस्कृति अने चरित्र , भारतीय संस्कृतिमां नारी , भारतीय संस्कृति अने राष्ट्रीय अेकीकरण ,भारतीय संस्कृतिमां धार्मिक सहिष्णुता ,भारतीय संस्कृतिमां समन्वय ,भारतीय संस्कृतिमां पुरुषार्थ यतुष्टय.

Unit III: ध्येय: वाक्यानि

Unit VI: ध्येय: वाक्यानि

संदर्भ ग्रंथो

1) भारतीय संस्कृति के मूलतत्व – सौती वीरेंद्र ।

2) संस्कृति के चार अध्याय – रामधारीसिंह “दिनकर”

Handwritten signature and text:
Ramesh
Page II

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

शैक्षणिक वर्ष २०२० थी अमलमां आवनार अेइ.वाय.बी.अे.

संस्कृत सेमेस्टर- २ नो अल्यासकम

Core Course & Elective Course

Credit-03

Paper- 3 (A) संस्कृत-प्रशिष्ट-महाकाव्यम्

कुल गुण-५०

कृति: कुमारसम्भवम् (सर्ग-5)

उद्देश: प्रशिष्ट महाकाव्यनो परिचय करावी संस्कृत पद्यसाहित्यना प्रकारोमां

महाकाव्यनुं स्वरूप-लक्षण साथे अलंकृत कृतिनो अल्यास कराववो.

अल्यास नां मुद्दा-महाकाव्य स्वरूप तथा लक्षणो, कुमारसंभव सर्ग ५ नां विषयो

अल्यासकमना मुद्दाओ: प्रशिष्ट महाकाव्यनो परिचय, महाकाव्यनुं स्वरूप-लक्षण, कुमारसंभवम सर्ग ५

नो अल्यास

Unit-I: पद्यना प्रकारो, महाकाव्यनुं स्वरूपलक्षण. कालिदासनुं ज्वन तथा कवन

Unit-II: कुमारसंभवम्- सर्ग -५- श्लोक १ थी ३०

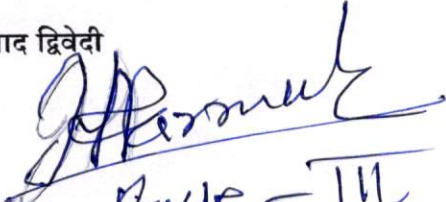
Unit-III: कुमारसंभवम्- सर्ग -५- श्लोक ३१ थी ५०

Unit-IV: कुमारसंभवम्- सर्ग -५- श्लोक ५१ थी ८५

संदर्भ ग्रंथो

१) कुमारसंभवम्- कालिदासः, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी

२) कालिदासः मानव शिल्पी महाकविः- रेवाप्रसाद द्विवेदी


Page - III

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

शैक्षणिक वर्ष २०२० थी अमलमां आवनार अेइ.वाय.डी.अे.

संस्कृत सेमेस्टर- २ नो अड्यासक्रम

Core Course & Elective Course

Credit-03

Paper- 3 (B) संस्कृत-प्रशिष्ट-महाकाव्यम्

कुल गुण-५०

कृति: कुमारसम्भवम् (सर्ग-३)

उद्देश: प्रशिष्ट महाकाव्यनो परियय करावी संस्कृत पद्य साहित्यना प्रकारोमां महाकाव्यनुं स्वरूप-लक्षण साथे अलंकृत कृतिनो अड्यास कराववो.

अड्यास ना मुद्दा: महाकाव्य नां लक्षणो, कुमारसंभव नां सर्ग ३ नां विषयो.

Unit-I: पद्यप्रकारो, महाकाव्यनुं स्वरूपलक्षण, कालिदासनुं ज्वनसमय तथा कवन.

Unit-II: कुमारसम्भवम्- सर्ग -३ श्लोक १ थी २२

Unit-III: कुमारसम्भवम्- सर्ग -३- श्लोक २३ थी ४४

Unit-IV: कुमारसम्भवम्- सर्ग -३- श्लोक ४५ थी ५५

संदर्भ ग्रंथो

१) कुमारसंभवम्-चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी

२) संस्कृत महाकाव्य-चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी

Handwritten signature
Page - IV

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

शैक्षणिक वर्ष २०२० थी अमलमां आवनार अेइ.वाय.डी.अे.

संस्कृत सेमेस्टर- 2 नो अल्यासकम

Core Course & Elective Course

Credit-03

Paper- 4 (A) भारतीय नीतिशास्त्रम

कुल गुण-५०

कृति: १. भर्तृहरी कृत नीतिशतकम् श्लोक १ थी ५०

२. व्यवहार साहस्री

उद्देश: संस्कृत मुक्तक साहित्यनो तथा शतक काव्य परंपरानो परिचय करायवो
तथा भारतीय नीतिशास्त्र अंतर्गत आवता विविध विषयो विवेकज्ञानथी
अवगत करायवा.संस्कृत भाषा मां संवाद शीभववा.

अल्यासकमना मुद्दाओ: भर्तृहरीना ज्वन कवन नो परिचय, भर्तृहरीना नीतिशतकम् नो अल्यास,
व्यवहार साहस्रीनो अल्यास.

Unit-I: भर्तृहरीना ज्वन कवन नो परिचय शतक काव्य- पद्य साहित्यना
प्रकार, विशेषता, मूल्यांकन

Unit-II: नीतिशतकम् श्लोक १ थी २५

Unit-III: नीतिशतकम् श्लोक १ थी २५

Unit-IV: व्यवहार साहस्री

संदर्भ ग्रंथो

१ नीति शतकम्-भर्तृहरी

२) व्यवहार साहस्री- संस्कृत भारती, कर्णावती

Assessment
Page - 15

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૦ થી અમલમાં આવનાર એફ.વાય.બી.એ.

સંસ્કૃત સેમેસ્ટર- ૨ નો અભ્યાસક્રમ

Core course & Elective course

Credit -03

પ્રશ્નપત્ર- 4(B) સંસ્કૃત ગદ્ય સાહિત્ય

કુલ ગુણ-૫૦

કૃતિ: દશકુમારચરિતમ્ - દણ્ડી (ષષ્ઠં ઉચ્છવાસ:) ગોમિની વૃત્તાન્ત પર્યન્તમ્

ઉદ્દેશ : સંસ્કૃત ગદ્યકાવ્યનો પરિચય કરાવી ગદ્યના પ્રકારોમાં કથા-આખ્યાયિકાના લક્ષણો સાથે અભ્યાસ કરવો .

અભ્યાસ ક્રમના મુદ્દાઓ :- પ્રાચીન ગદ્યસાહિત્યનો પરિચય , કૃતિ પરિચય , કરતાં પરિચય

Unit- I : ગદ્યસાહિત્યની ઉત્પત્તિ ,વિકાસ , ગદ્યસાહિત્યના પ્રકારો-કથા,આખ્યાયિકા, સ્વરૂપ-લક્ષણ - મૂલ્યાંકન દંડી - જીવન , કવન, સમય-ગદ્યકાર-વાર્તાકાર, પદલાલિત્ય વગેરે .

Unit- II : દશકુમારચરિતમ્ - દણ્ડી કૃત ષષ્ઠં ઉચ્છવાસ:

Unit- III: દશકુમારચરિતમ્- દણ્ડી કૃત ષષ્ઠં ઉચ્છવાસ:

Unit-IV : દશકુમારચરિતમ્- દણ્ડી કૃત ષષ્ઠં ઉચ્છવાસ:

સંદર્ભ ગ્રંથો :-

૧. સંસ્કૃત સાહિત્યનો પરિચયાત્મક ઇતિહાસ-અમૃત ઉપાધ્યાય, સંસ્કૃત સેવા સમિતિ , અમદાવાદ .

૨. દશકુમારચરિતમ્ - આચાર્ય દણ્ડી

Handwritten signature
Page - VI

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

શૈક્ષણિક વર્ષ 2020-21 થી અમલમાં આવનાર ~~એસ.વાય.બી.એ~~ ^{એસ.વાય.બી.એ.}

સંસ્કૃત સેમેસ્ટર-1 નો અભ્યાસક્રમ

Core Comp & Core Elective

Paper- 2 (A) - લલિત-સંસ્કૃતનાદ્યસાહિત્યમ્

કૃતિ: - भासकृत-कर्णभारम्

Credit-03

કુલ ગુણ-૫૦

ઉદ્દેશ: સંસ્કૃત સાહિત્યનો પરિચય પ્રાપ્ત કરાવવો. રૂપક સાહિત્ય નો પરિચય, રૂપક ના પ્રકાર, ભાસ ની કૃતિ થી અવગત કરાવવા.

અભ્યાસક્રમના મુદ્દાઓ: નાટ્યકૃતિના કર્તાનો પરિચય, જીવન, સમય, ભાસ નાટ્યચક, ભાસ સમસ્યા, કૃતિઓનો રૂપક પ્રકાર, સંસ્કૃતિના ઉદ્ભાતા ભાસનું નાટ્યકાર તરીકે મૂલ્યાંકન, કૃતિનું સર્વાંગી વિવેચન, ભાસની વિશેષતા, ભાસ નું પ્રદાન વગેરે.

Unit-1: કવિ પરિચય-જીવન, સમય, કવન, ભાસ સમસ્યા, ભાસ નાટકચક.

Unit-2: રૂપક સાહિત્યનો પરિચય, રૂપકના પ્રકાર તરીકે કૃતિ લક્ષી મૂલ્યાંકન.

Unit-3: कर्णभारम् ।

Unit-4: कर्णभारम् ।

સંદર્ભગ્રંથ સૂચિ:-

- ૧) ભાસ એક અધ્યયન -બલદેવ ઉપાધ્યાય, વારાણસી.
- ૨) સંસ્કૃત નાટકો નો પરિચય- નાંદી, યુનિ. ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ, અમદાવાદ.
- ૩) સંસ્કૃતસાહિત્યનો પરિણામત્મક ઇતિહાસ-અમૃત ઉપાધ્યાય, સંસ્કૃત સેવા સમિતિ, અમદાવાદ
- ૪) સંસ્કૃતસાહિત્ય કા ઇતિહાસ -વાચસ્પતિ ગૌરોલા, વારાણસી
- ૫) સંસ્કૃતસાહિત્ય કા ઇતિહાસ-પ્રો. એ. મેક ડોનલ કૃત.
- ૬) Bhasa A Study - A D Pusalkar .
- ૭) History of Sanskrit Literature -A B kelth, Chaukhamba.